875
14/6/2010

फा.सं. 27/25/2009–एस. आर. (एस.)
भारत सरकार
कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

लोक नायक भवन, खान मार्किट,
नई दिल्ली – 110003
दिनांक जून, 2010

सेवा में,

मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ ।

मुख्य सचिव,
उत्तरांचल सरकार,
देहरादून ।

विषयः– चिकित्सकीय/वास्तविक व्यथा से आच्छादित माध्यमिक शिक्षा विभाग के कर्मिकों से प्राप्त प्रकरणों पर राज्य परामर्शीय समिति की दिनांक 22 जनवरी, 2010 को आयोजित 75वीं बैठक में विचार ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य परामर्शीय समिति की दिनांक 22 जनवरी, 2010 को आयोजित बैठक में विचारोपरांत समिति ने संलग्नक में उल्लिखित कार्मिकों के अभ्यावेदनों को अस्वीकृत करने की संस्तुति की है ।

2. समिति द्वारा इन मामलों में जो संस्तुति की गई उन्हें भारत सरकार द्वारा वास्तविक/चिकित्सकीय व्यथा के अन्तर्गत मान लिया गया एवं संलग्नक में उल्लिखित कार्मिकों को उत्तराखण्ड राज्य में बनाये रखे जाने का निर्णय लिया गया ।

3. कृपया संबंधित अधिकारीयों को इस निर्णय से अवगत करा दिया जाए ।

11 JUN 2010

भवदीय

(वी० पेद्दन्ना)
उप सचिव, भारत सरकार
(V. PEDDANNA)
उप सचिव/Deputy Secretary
कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग
D/o of Personnel & Trg.
भारत सरकार/Govt. of India

प्रतिः–

1. श्री आर.एम. श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन समन्वय विभाग, लखनऊ ।
2. श्री सुभाष कुमार, प्रमुख सचिव, उत्तराखण्ड पुर्नगठन समन्वय विभाग देहरादून ।

संलग्नक 7 कर्मिकों की सूची

चिकित्सकीय व्यथा के आधार पर राज्य परामर्शीय समिति की 75वीं बैठक दिनांक 22 जनवरी, 2010 की बैठक में अस्वीकृत प्रत्यावेदन

माध्यमिक शिक्षा विभाग

| कमांक | कार्मिकों का नाम/पदनाम/तैनाती | प्रत्यावेदन में अंकित बीमारी | चिकित्सा परिषद की संस्तुति | समिति की संस्तुति |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | श्री छेदी लाल, सहायक अध्यापक, राज इण्टर कालेज सलानी–बागेश्वर। | पुत्र कुलदीप कुमार सन् 1997 से लकवा से ग्रस्त। | श्री छेदी लाल के पुत्र श्री कुलदीप कुमार की बीमारी का राज्य चिकित्सा परिषद, लखनऊ द्वारा परीक्षणोपरान्त उन्हें पैरापेरेसिस विद बाईल्ट्रेल न्यूरोपैथी एट एल–4एलएस–5 एवं न्यूरोलजिया का रोगी पाया गया है। | श्री छेदी लाल के पुत्र श्री कुलदीप कुमार को राज्य चिकित्सा परिषद की रिपोर्ट में पैरापेरेसिस विद बाईल्ट्रेल न्यूरोपैथी एट एल–4एलएस–5 एवं न्यूरोलजिया की बीमारी से ग्रस्त बताया गया है जो विकलांगता की श्रेणी में आती है। उ.प्र. पुनर्गठन समन्वय विभाग द्वारा जारी अधिसूंचना दिनॉक 04 फरवरी, 2009 से उक्त बीमारी आच्छादित न होने के कारण समिति द्वारा इनके प्रत्यावेदन को अस्वीकार करते हुये इन्हें उत्तराखण्ड राज्य में ही बनाये रखे जाने की संस्तुति की गई। |
| 2 | श्री अवधेश कुमार पाण्डेय, प्रवक्ता–गणित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, भीमताल–नैनीताल । | स्वयं डी0वी0टी0 तथा उदर रोग से पीड़ित। | श्री अवधेश कुमार पाण्डेय की बीमारी का राज्य चिकित्सा परिषद, लखनऊ द्वारा परीक्षणोपरान्त उन्हें डीप वेन थ्राम्बोसिस लेफट लेग का उपचाराधीन केस पाया गया है तथा उक्त हेतु इन्हें नियमित विशेषज्ञ जॉच एवं उपचार की आवश्यकता बताया गयी है। | श्री अवधेश कुमार पाण्डेय को राज्य चिकित्सा परिषद की रिपोर्ट में उन्हें डीप वेन थ्राम्बोसिस लेफट लेग का उपचाराधीन रोगी बताया गया है। उ.प्र. पुनर्गठन समन्वय विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनॉक 04 फरवरी, 2009 से आच्छादित न होने के कारण समिति द्वारा इनके प्रत्यावेदन को अस्वीकार करते हुये श्री पाण्डेय को उत्तराखण्ड राज्य में ही बनाये रखे जाने की संस्तुति की गई। |
| 3 | श्री गोरखनाथ विश्वकर्मा, सहायक अध्यापक विज्ञान, राजकीय इण्टर कालेज बसेड़ी, अल्मोड़ा। | पत्नी मानसिक रोग से पीड़ित। | श्री गोरखनाथ विश्वकर्मा की पत्नी श्रीमती अमला देवी की बीमारी का राज्य चिकित्सा परिषद, लखनऊ द्वारा परीक्षणोपरान्त उन्हें मोडरेट डिप्रैशन विद मल्टीपुल सोमैटिक कम्प्लेन्टस का रोगी पाया गया तथा इन्हें नियमित काउन्सलिंग उपचार एवं फैमिली सपोर्ट की आवश्यकता बताई गई हैं। | श्री गोरख नाथ विश्वकर्मा की पत्नी श्रीमती अमला देवी को राज्य चिकित्सा परिषद की रिपोर्ट में उन्हें मोडरेट डिप्रैशन विद मल्टीपुल सोमैटिक कम्प्लेन्टस का उपचाराधीन रोगी बताया गया है। यह बीमारी मानसिक रोग की साधारण श्रेणी में आती है। उ.प्र. पुनर्गठन समन्वय विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनॉक 04 फरवरी, 2009 से आच्छादित न होने के कारण समिति द्वारा इनके प्रत्यावेदन को अस्वीकार करते हुये श्री विश्वकर्मा को उत्तराखण्ड राज्य में बनाये रखे जाने की संस्तुति की गई। |

(वि० वेदन्ना/V. PEDDANNA)
उप सचिव/Deputy Secretary
कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग
Dept. of Personnel & Trg.
भारत सरकार/Govt. of India

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 4 | श्री जगदीश सिंह पाल, प्रवक्ता–गणित, राजकीय इण्टर कालेज बड़ेथ–उत्तरकाशी । | पत्नी गुर्दा रोग से पीड़ित। | श्री जगदीश सिंह पाल की पत्नी श्रीमती अनीता की बीमारी का राज्य चिकित्सा परिषद्, लखनऊ द्वारा परीक्षणोपरान्त उन्हें पी0आई0डी0 रोग से ग्रसित पाया गया जिसका उपचार जिला चिकित्सालय स्तर पर सम्भव है। | श्री जगदीश सिंह पाल की पत्नी श्रीमती अनीता को राज्य चिकित्सा परिषद् की रिपोर्ट में पी0आई0डी0 रोग से ग्रसित बताया गया है। उ.प्र. पुनर्गठन समन्वय विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनॉक 04 फरवरी, 2009 से आच्छादित न होने के कारण समिति द्वारा इनके प्रत्यावेदन को अस्वीकार करते हुये श्री सिंह उत्तराखण्ड राज्य में ही बनाये रखे जाने की संस्तुति की गई। |
| 5 | श्री निर्वेश कुमार सिंह, प्रवक्ता–भौतिक विज्ञान, राजकीय इण्टर कालेज, दरऊ(किच्छा) उधमसिंह नगर। | माताजी मानसिक रोग से ग्रसित। | श्री निर्वेश कुमार सिंह की माताजी श्रीमती विमलेश सिंह की बीमारी का राज्य चिकित्सा परिषद्, लखनऊ द्वारा परीक्षण किया गया। मानसिक रोग विशेषज्ञ, वलरामपुर चिकित्सालय, लखनऊ द्वारा दी गयी राय दिनांक 26–11–2009 के अनुसार इनको भविष्य में नियमित उपचार एवं एक पारिवारिक सहायक की सलाह दी गयी है। | श्री निर्वेश कुमार सिंह की माताजी श्रीमती विमलेश सिंह की बीमारी के संबंध में दी गई सलाह उ.प्र. पुनर्गठन समन्वय विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनॉक 04 फरवरी, 2009 से आच्छादित न होने के कारण समिति द्वारा इनके प्रत्यावेदन को अस्वीकार करते हुये श्री सिंह. को उत्तराखण्ड राज्य में ही बनाये रखे जाने की संस्तुति की गई। |
| 6 | श्री महेश चन्द्र अग्रवाल, सहायक अध्यापक, राजकीय इण्टर कालेज, जितवा पीपल, नैनीताल, | माता श्रीमती रामवती, मानसिक व हृदय रोग से ग्रस्त, | श्री महेश चन्द्र अग्रवाल, की माता श्रीमती रामवती करोनेरी आर्टरी डिसीज विद हाइपर टेंशन एवं एज रिलेटेड सेनाइल डिमेंशिया विद माईल्ड सर्वाकल स्पान्डो लायसिसि से पीडित है। | श्री महेश चन्द्र अग्रवाल, की माता श्रीमती रामवती को राज्य चिकित्सा परिषद द्वारा करोनेरी आर्टरी डिसीज विद हाइपर टेंशन एवं एज रिलेटेड सेनाइल डिमेंशिया विद माईल्ड सर्वाकल स्पान्डो लायसिसि का रोगी बताया गया है। उ.प्र. पुनर्गठन समन्वय विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनॉक 04 फरवरी, 2009 से आच्छादित न होने के कारण समिति द्वारा इनके प्रत्यावेदन को अस्वीकार करते हुये श्री अग्रवाल को उत्तराखण्ड राज्य में ही बनाये रखे जाने की संस्तुति की गई। |
| 7 | श्री रामाश्रय शुक्ला, प्रवक्ता, संस्कृत, राजकीय इन्टर कालेज, सकैनिया वाया गदरपुर, ऊधम सिंह नगर। | पिता श्री राम यत्न शुक्ल हृदय रोग से ग्रस्त। | डा. रामाश्रय शुक्ला के पिता श्री राम राम यत्न शुक्ल की बीमारी का राज्य चिकित्सा परीषद, लखनऊ द्वारा परीक्षणेपरान्त उन्हे काड्रियल इन्फ्राक्ट (हृदय रोग के फालोथू का) रोगी पाया गया है। इन्हे नियमित विशेषज्ञ जॉच एवं उपचार की आवश्यकता बतायी गई है। श्री शुक्ल का हदृय बाईपास सर्जरी बत्रा हास्पीटल, नई दिल्ली से कराई गई है। | डा. रामाश्रय शुक्ला के पिता श्री राम यत्न शुक्ल को राज्य चिकित्सा परीषद, लखनऊ द्वारा काड्रियल इन्फ्राक्ट (हृदय रोग के फालोथू का) रोगी बताया गया है। उ.प्र. पुनर्गठन समन्वय विभाग द्वारा जारी अधिसूचना दिनॉक 04 फरवरी, 2009 से आच्छादित न होने के कारण समिति द्वारा इनके प्रत्यावेदन को अस्वीकार करते हुये श्री अग्रवाल को उत्तराखण्ड राज्य में ही बनाये रखे जाने की संस्तुति की गई। |

(वि० पेद्दन्ना/V. PEDDANNA)
उप सचिव/Deputy Secretary
कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग
Dept. of Personnel & Trg.
भारत सरकार/Govt. of India